मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 115, मुंबई, शनिवार, 4 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

CORONA EFFECT

भारत ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 31 जुलाई तक बढ़ाया

...पहले 15 जुलाई तक रोक लगाई गई थी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगा प्रतिबंध सरकार ने 31 जुलाई तक बढ़ा दिया है। पहले इन पर 15 जुलाई तक रोक लगाई गई थी। डीजीसीए के आदेश के मुताबिक, इस फैसले का असर अंतरराष्ट्रीय कार्गो फ्लाइट्स और विशेष उड़ानों पर नहीं पड़ेगा। कोरोनावायरस महामारी के कारण भारत ने 23 मार्च से अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रखा है। देश में 25 मई से घरेलू उड़ानें शुरू कर दी गई हैं। 21 मई को इसके लिए डिटेल गाइडलाइंस भी जारी की गई थीं। देश के करीब 20 हवाईअड्डों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलती हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना के कारण भारत ने 23 मार्च से अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रखा

सड़कों पर रोज बह रहा खून, 370 हटने पर भी नहीं सुधरी जम्मू-कश्मीर की स्थितिः शिवसेना

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

ऑरेंज अलर्ट के बाद मुंबई में शुरू हुई

बरसात

निचले इलाकों में जमा पानी

मुंबई। मुंबई में शुक्रवार सुबह से ही कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। इसके बाद शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार और शनिवार के लिए मुंबई में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश के चलते मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों की लंबी कतार देखने को मिली। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सड़कों पर लगा गाड़ियों का लंबा जाम

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

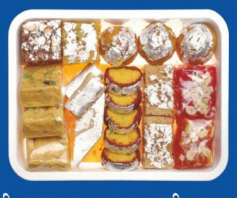

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

साजिशों को जवाब

विश्व मंच पर चीन की भारत विरोधी हरकतें जितनी पुरानी हैं, उतनी ही दुखद और निंदनीय भी। संयुक्त राष्ट्र के मंच पर चीन फिर एक बार इस साजिश में लगा था कि पाकिस्तान के पक्ष में और परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ एक निंदा प्रस्ताव पारित हो जाए। पाकिस्तान की ओर से चीन द्वारा पेश प्रस्ताव में विगत दिनों कराची में हुए आतंकी हमले के लिए भारत को इशारों में ही घेरने की साजिश थी। यह प्रस्ताव खुद चीन ने तैयार किया था। वैसे तो किसी भी आतंकी हमले की संयुक्त राष्ट्र के मंच से निंदा सही है, लेकिन इस मंच का नाजायज फायदा किसी को उठाने नहीं देना चाहिए। खुशी की बात है, भारत के समर्थक देश सजग थे और पहले जर्मनी ने इस प्रस्ताव को रोका और फिर अमेरिका भी आगे आया, इससे चुपचाप इस प्रस्ताव को पारित करा ले जाने की चीनी-पाकिस्तानी साजिश नाकाम हो गई। भारत के लिए चिंता की बात यह थी कि पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी कराची आतंकी हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। इसलिए ऐसे आतंकी हमले की निंदा का चुपचाप प्रस्ताव करना और उसके लिए किसी निर्दोष देश की ओर इशारा करना चीन जैसे कथित वीटो पावर प्राप्त देश को कतई शोभा नहीं देता। बहरहाल, चीन की ऐसी हरकतों के प्रति केवल भारत ही नहीं, अब दुनिया के अन्य महत्वपूर्ण देश भी सजग हो गए हैं। दुनिया में कहीं भी आतंकी हमला हैवानियत से कम नहीं, लेकिन ऐसे किसी हमले के जरिए कूटनीति और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश भी हैवानियत से कम नहीं है। अपने यहां जायज आवाज उठाने वालों को भी आजीवन करावास देने वाला चीन न जाने कैसे पाकिस्तानी आतंकियों का खुलकर बचाव करता रहा है? जमीनी रूप से आतंकवाद के पोषण में पाकिस्तान की हरसंभव मदद करने से लेकर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पक्षधरता तक चीन का कोई भी पहलू दुनिया से छिपा नहीं है। अब खबर आई है कि म्यांमार में अरकान नामक हथियारबंद संगठन को चीन धन और हथियार दे रहा है, ताकि वे भारतीय इलाकों में अशांति फैला सकें। यह बात भी छिपी नहीं है कि हम चुपचाप उसकी साजिशें झेलते रहे हैं। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ने मजबूर होकर अपनी नीतियों में परिवर्तन शुरू किया है। लंबे अरसे बाद भारत की खामोशी टूटी है और उसने जेनेवा में मानवाधिकार संबंधी परिषद की बैठक में हांगकांग का मुद्दा उठाया है। हांगकांग में भारतीय मूल की आबादी भी बड़ी संख्या में रहती है, अतः भारत ने कहा है कि वह इस मामले पर नजर रखे हुए है। भारत का इतना कहना भी पर्याप्त है। चीन को समझ लेना चाहिए कि आम तौर पर तिब्बत से ताइवान और यहां तक कि भारतीय इलाकों में चीनी दावों के प्रति भी अपेक्षाकृत शालीनता बरतने वाला भारत अब नई दिशा में बढ़ चला है। भारत के खिलाफ लगातार साजिशें करने की चीनी नीति को अब जवाब मिलने लगा है। दुनिया का सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत अपनी कूटनीति के प्रति सजग है। चीन के प्रति केवल भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन में भी बड़ी नाराजगी है। कोई भी देश चीन की अतार्किक मनमानी या हस्तक्षेप को झेलना नहीं चाहेगा। विश्व मंच पर चीन को वह फसल अब काटनी पडेगी, जो वह भारत और अन्य देशों में बोता रहा है।

लॉकडाउन में सरकार ने छूट जरूर कर दी, पर महामारी का खतरा टलने तक रहें सतर्क

लॉकडाउन को धीरे-धीरे खत्म करने की प्रक्रिया में देश अनलॉक-2 में पहुंच चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रलय द्वारा जारी अनलॉक-2 के दिशानिर्देश एक जुलाई से लागू हो चुके हैं, जिसके तहत स्कूल-कॉलेज व मेट्रो ट्रेन के अलावा तमाम अन्य गतिविधियों को शुरू किया जा रहा है। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए यह करना आवश्यक भी था, खासकर इसलिए कि आय के स्नोत बंद होने से जनता को बहुत परेशानी हो रही थी। लेकिन सरकार के इस प्रयास से इस मुगालते में मत आइए कि महामारी की समस्या खत्म हो गई है।

वास्तविकता यह है कि कोरोना वायरस संकट बद से बदतर होता जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रलय के डाटा की समीक्षा करने से मालूम होता है कि अकेले जून माह में संक्रमण के 3,94,958 केस सामने आए हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस समय जो संक्रमण दर है अगर उसमें वृद्धि नहीं भी होती है, तो भी जुलाई के अंत तक संक्रमित मामले बढ़कर दस लाख से कहीं अधिक हो जाएंगे। इस तेज रफ्तार को रोकने के उद्देश्य से ही महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और नगालैंड उन राज्यों में हैं जिन्होंने अपने यहां लॉकडाउन को बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि एक जून को ऐसा प्रतीत हुआ था कि बड़े राज्य कोरोना वायरस फैलने की गति को धीमा करने में सफल हो गए हैं, क्योंकि मई के अंतिम सप्ताह में इन बड़े राज्यों को छोड़कर देश के अन्य क्षेत्रों में संक्रमण तेज हो गया था। लेकिन जून में तस्वीर फिर पलट गई और तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में संक्रमण ने गति पकड़ ली।

एक जून को 20 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण राष्ट्रीय औसत से अधिक तेजी से बढ़ रहा था और 30 जून को दस बड़े राज्यों में गति राष्ट्रीय औसत से अधिक थी। इस समय भारत में संक्रमण दर विश्व में सिर्फ ब्राजील से ही कम है। कोविड-19 महामारी ने भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के हेल्थकेयर सिस्टम की परीक्षा ले ली है। इसकी बहुत सी कमजोरियां व खामियां प्रकट हो गई हैं और हर जगह एक ही सवाल पूछा जा रहा है कि नए कोरोना वायरस को नियंत्रित करके इस महामारी पर विराम कैसे लगाया जाए और ठोस हेल्थकेयर सिस्टम विकसित करने का मार्ग क्या होगा? फिलहाल इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है। वैक्सीन बनने की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में अवश्य है। वैसे वर्ष 2021 के शुरू में वैक्सीन के आने की उम्मीद है, लेकिन यह कितनी कारगर होगी, किसी को मालूम नहीं है। शायद यही वजह है कि अब सरकारें वायरस से योजनाबद्ध तरीके से मजबूती के साथ लड़ने के बजाय जो होगा देखा जाएगा, की नीति अपना रही हैं या दवा से अधिक दुआ पर आश्रित हो गई हैं। मसलन उत्तराखंड की सरकार को लगता है कि आध्यात्मिक पर्यटन से कोविड-19 महामारी पर विजय पाई जा सकती है। उसने चार धाम यात्र के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरूआत कर दी है। हालांकि महाराष्ट्र में प्रसिद्ध गणोशोत्सव (22 अगस्त से) आयोजित नहीं करने का फिलहाल निर्णय लिया गया है। लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपनी पत्न ी और बेटे के साथ आषाढ़ एकादशी के दिन पंढरपुर के भगवान विट्ठल मंदिर में पूजा की और कामना की है कि भगवान कोई चमत्कार दिखाएं। यह कोई अंधविश्वास नहीं है, लेकिन हताशा में आत्मविश्वास तलाशने का एक सूत्र है। यह सही है कि संकट से निकलने का जब कोई रास्ता दिखाई नहीं देता है तो अताद्गकक चीजों का सहारा लेने की भी मजबूरी हो जाती है। लेकिन ध्यान रहे इस स्थिति का कुछ लोग फायदा भी उठाने का प्रयास करते हैं। कुछ देशों में एयर डॉक्टर, वायरस शट आउट, क्लोरीन कार्ड आदि नामों से कोविड-19 से सुरक्षित रहने के कार्ड बेचे जा रहे हैं। दावा यह किया जा रहा है कि कार्ड में संक्रमण दूर करने के रसायन हैं, और जो इसे पहनेगा वह कोरोना वायरस से सुरक्षित रहेगा। यह कार्ड फायदा तो बहुत दूर की बात है, आपके रेस्पिरेटरी सिस्टम और त्वचा को भारी नुकसान पहुंचा देगा। यही हाल उस स्मार्ट रिंग का है जो कनाडा में 300 डॉलर में यह कहकर बेची जा रही है कि संक्रमण के लक्षण उभरने से तीन दिन पहले ही यह अंगूठी बता देती है कि कोविड-19 होने जा रहा है। ऐसे झांसे में न आएं और अपनी मेहनत की कमाई बचाएं। समय के साथ यह वायरस अधिक जटिल होता जा रहा है। अब इसके लक्षणों में शरीर, कमर दर्द, पेट दर्द, रेशेज और पिंडलियों में दर्द भी शामिल हो गए हैं। प्लाज्मा थैरेपी से उपचार की कुछ उम्मीद अवश्य बंधी है, लेकिन इस थैरेपी को हासिल करने के लिए आपकी किस्मत धनाढ्य होनी चाहिए, क्योंकि प्लाज्मा बैंकों की कमी है। इन तमाम स्थितियों में आपकी सुरक्षा आपके अपने हाथ में है। इस बात को समझिए कि खतरा टला नहीं है, बल्कि बढ़ गया है, इसलिए लापरवाही बिल्कुल न करें।

कसौटी पर है देश में तेल की कीमतों में बढोतरी

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी जारी है, फिर भी यह बड़ा मुद्दा नहीं बन पा रहा है। दरअसल पेट्रोल-डीजल की कीमत में निरंतर वृद्धि होने का कारण इन पर ज्यादा कर आरोपित करना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि ही हुई है। वैसे भी कोरोना महामारी के आरंभिक दिनों में वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में मार्च और अप्रैल में भारी गिरावट आई थी। उस दौरान भारत में कच्चे तेल का बास्केट वर्ष 2019-20 के औसत 60 डॉलर प्रति बैरल स्तर का एक तिहाई यानी 20 डॉलर प्रति बैरल रह गया था। इसलिए तेल की कीमत को नियंत्रित करने के लिए तेल उत्पादक देशों द्वारा इसके उत्पादन में योजनाबद्ध तरीके से कमी करने का फैसला लिया गया। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है। भारत अपनी खपत का करीब 80 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। सरकार ने 2010 में पेट्रोल और वर्ष 2014 में डीजल की कीमत को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया था। फिर पेट्रोल एवं डीजल

के खुदरा बिक्री मूल्य के रोज मूल्य निर्धारण की व्यवस्था को जून 2017 से लागू किया गया। इसका यह अर्थ हुआ कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव के अनुरूप तेल की कीमत का निर्धारण भारत में होगा। यानी जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत ज्यादा होगी तो भारत में भी तेल की कीमत में बढ़ोतरी होगी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत कम होने पर भारत में भी कटौती की जाएगी। इस तरह से रोज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थो, अनाज, फल और सब्जियों की कीमतों पर पड़ता है। जबकि सरकार को पेट्रोल-डीजल से मुख्य तौर पर दो तरह के फायदे हो रहे हैं। पहला वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कम कीमत होने के कारण इसके आयात पर विदेशी मुद्रा कम खर्च करना पड़ रहा है, क्योंकि भारत कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक देश है। दूसरा पेट्रोल एवं डीजल पर अधिक कर आरोपित करके केंद्र एवं राज्य सरकारें ज्यादा राजस्व कमा रही हैं। कच्चे तेल के गणित को समझने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव को समझना जरूरी है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के लेन-देन में खरीदार, बेचने वाले से निश्चित तेल की मात्र पूर्व निर्धारित कीमतों पर किसी विशेष स्थान पर लेने के लिए सहमत होता है। पेट्रोल-डीजल के आधार कीमत में कच्चे तेल की कीमत, प्रोसेसिंग चार्ज और कच्चे तेल को शोधित करने वाला चार्ज शामिल होता है। अमूमन रिफाइनिंग चार्ज प्रति लीटर चार रुपये आरोपित किया जाता है। आधार कीमत पर केंद्र सरकार उत्पाद शुल्क आरोपित करती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
4 जुलाई, 2020

सड़कों पर रोज बह रहा खून

370 हटने पर भी नहीं सुधरी जम्मू-कश्मीर की स्थिति : शिवसेना

संवाददाता

मुंबई। शिवसेना ने शुक्रवार को कहा कि नोटबंदी करने, अनुच्छेद 370 हटाने और जम्मू कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करने से जम्मू कश्मीर में सुरक्षा स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। भाजपा की पूर्व सहयोगी ने इस बात पर आश्चर्य जाहिर किया कि जब केंद्र में 'मजबूत' सरकार है तो नवगठित केंद्रशासित प्रदेश में शांति क्यों नहीं है?

शिवसेना ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने और जम्मू कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस है। शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा, सड़कों पर हर रोज खून बह रहा है और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। नोटबंदी के बावजूद आतंकी गतिविधियों और फर्जी नोटों के चलन से कोई राहत नहीं है। जम्मू कश्मीर के सोपोर में हाल में हुई मुठभेड़ का संदर्भ देते हुए इसने कहा कि तीन वर्षीय एक बच्चे के अपने दादा के शव पर

बैठे होने की तस्वीरें हृदय-विदारक हैं। यह मुठभेड़ तब हुई थी जब आतंकवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की एक टीम पर हमला कर दिया जिसमें एक जवान शहीद हो गया और एक बुजुर्ग आम नागरिक की मौत हो गई। इस बुजुर्ग के साथ उनका तीन वर्षीय पोता भी था जिसे बाद में सुरक्षाबलों ने गोलीबारी के बीच सुरक्षित निकाल लिया।

केंद्र की विफलता बताती है तस्वीर

संपादकीय में कहा गया, छोटा बच्चा भागा नहीं, बल्कि अपने दादा को जगाने की कोशिश कर रहा था। कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने अपने ट्विटर हैंडल पर तस्वीर ट्वीट की। इन मंत्रियों को समझना चाहिए कि यह तस्वीर केंद्र सरकार की विफलता साबित कर सकती है। आखिर घाटी में स्थिति की जिम्मेदारी सरकार की है। संपादकीय में कहा गया है कि एक बच्चा यह नहीं जानता कि उसके दादा की मौत हो गई है और वह उसे जगाने की कोशिश करता है। इस तरह की तस्वीरें केवल सीरिया, मिस्र, सोमालिया और अफगानिस्तान जैसे देशों में सामने आई हैं।

केंद्र सरकार की छवि को हुआ है नुकसान

शिवसेना ने कहा कि इस तस्वीर से देश और केंद्र सरकार की छवि को भी नुकसान हुआ है। संपादकीय में पूछा गया कि जवानों ने बच्चे को बचा लिया, लेकिन उसका भविष्य क्या है? क्या सरकार के पास कोई उत्तर है? शिवसेना ने कहा, पिछले छह महीनों में कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। भले ही हमारे जवानों ने अनेक आतंकवादियों का सफाया किया है, लेकिन शहीद सैनिकों की संख्या भी कम नहीं है।

अपराधियों के साथ संपर्क रखने के आरोप में सहायक पुलिस उप निरीक्षक बर्खास्त, चार कांस्टेबल निलंबित

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के परभणी जिले में अपराधियों के साथ संपर्क रखने के आरोप में पुलिस के एक सहायक उप निरीक्षक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है जबकि चार अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। परभणी के पुलिस अधीक्षक के. के. उपाध्याय ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई की पुष्टि की। अधिकारियों ने बताया कि दो अलग अलग मामलों में यह पता चला कि उनका अपराधियों के साथ साठगांठ है। इसके बाद उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गयी है। एक अधिकारी ने बताया कि यहां से 500 किलोमीटर दूर परभणी में पुलिस ने जिंतूर में अवैध शराब बेचते हुये दो लोगों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान सुरेश जायसवाल एवं सुनील शितालकर के रूप में की गयी। उन्होंने बताया कि तहकीकात के दौरान यह पता चला कि दोनों अपराधियों के साथ जिले के कुछ पुलिसकर्मियों की

साठगांठ है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी के मोबाइल फोन में कुछ पुलिसकर्मियों के मोबाइल नंबर एवं बैंक खातों का ब्योरा मिला। इसके बाद मामले में जांच शुरू की गयी। उन्होंने बताया कि जांच में इस बात का खुलासा हुआ कि कम से कम पांच पुलिसकर्मियों का (दो अलग अलग मामलों में) अपराधियों के साथ साठगांठ है और आरोपियों ने उनके खातों में कुछ पैसे भी भेजे हैं। मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुये अधिकारियों ने हवलदार सुरेश डोंगरे, विशाल वाघमारे, उद्धव सातपुते एवं शरद मुलगिर को निलंबित कर दिया जबकि सहायक पुलिस उप निरीक्षक हनुमंत कचावे को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया। उपाध्याय ने बताया कि सहायक पुलिस उप निरीक्षक समेत चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई जिंतूर मामले में की गयी है जबकि एक अन्य मामले में एक पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई हुयी है। उन्होंने कहा कि हमने पुलिसकर्मियों की भूमिका के अनुसार उनके खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ने चेताया कि जांच जारी है, अगर और पुलिसकर्मी दोषी पाये जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

(पृष्ठ 1 का शेष)

भारत ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध 31 जुलाई तक बढ़ाया

इन एयरपोर्ट्स से 55 देशों के 80 शहरों तक पहुंच सकते हैं। दुनिया के कई देश कोरोना की चपेट में हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक जारी रखना जरूरी है। स्टेटिस्टा के मुताबिक, भारत में 2019 में करीब 7 करोड़ लोगों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सफर किया। वंदे भारत मिशन का चौथा फेज शुक्रवार से शुरू हो गया है। इसके तहत एयर इंडिया 3 से 15 जुलाई तक 17 देशों से 170 फ्लाइट्स संचालित करेगी। ऐसे में विदेश में फंसे भारतीयों को लाने के लिए सरकार ने 6 मई से वंदे भारत मिशन शुरू किया था। मिशन के चौथे फेज में कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, केन्या, श्रीलंका, फिलिपींस, किर्गिस्तान, सऊदी अरब, बांग्लादेश, थाईलैंड, साउथ अफ्रीका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, म्यांमार, जापान, यूक्रेन और वियतनाम से भारतीयों को वापस लाया जाएगा। इन देशों से 170 फ्लाइट्स का संचालन होगा।

ऑरेंज अलर्ट के बाद मुंबई में शुरू हुई बरसात

मुंबई के किंग सर्कल, मलाड, दादर, कांदिवली, बोरीवली, गोरेगांव और सांताक्रूज इलाकों में सुबह से ही भारी बारिश देखने को मिली। कुछ इलाकों में पानी जमा भी गया। बता दें कि बरसात में हर साल मुंबई में सड़कों पर कमर तक पानी देखने को मिलता है। मौसम विभाग ने मुंबई उपनगरीय इलाकों जैसे ठाणे, नवी मुंबई और पालघर में भी मध्यम बारिश का अंदेशा लगाया है। इनके ग्रामीण इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई और आसपास के तटवर्ती क्षेत्रों जैसे रत्नागिरी और रायगढ़ में भी भारी बारिश का अंदेश जताया है। यहां भी सुबह से बरसात जारी है। गौरतलब है कि रत्नागिरी जिले में पिछले महीने आए चक्रवातीय तूफान निसर्ग से भी काफी नुकसान हुआ था। मुंबई के कुछ इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है। मौसम विभाग बारिश के अनुमान के हिसाब से कलर कोडेड अलर्ट जारी करता है। 'रेड' अलर्ट का मतलब बहुत ज्यादा भारी बारिश (204 मिलीमीटर से ज्यादा) की संभावना है। 'ऑरेंज' अलर्ट का मतलब अथॉरिटीज को किसी आपात स्थिति के लिए सावधान रहना है। इस अलर्ट का यह भी मतलब है कि भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे घरों से बाहर ना निकलें। मुंबई पुलिस ने ट्वीट किया है, अत्यधिक बारिश का अलर्ट। मौसम विभाग ने मुंबई में शुक्रवार और शनिवार को कई जगहों पर भारी से अत्यधिक भारी वर्षा का अनुमान जताया है। सभी लोगों को घर के भीतर रहें, अकारण बाहर नहीं निकलने और जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी जाती है।

समाचार विशेष
मुंबई, शनिवार, 4 जुलाई 2020

90 दिन पूरे होने पर, अब आगे के लिए जूम की योजना: सीईओ-एरिक एस युआन

मुंबई। जूम की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए सीईओ एरिक एस युआन का कहना है कि 2020 के शुरूआती कुछ महीनों के दौरान, हमारे प्लेटफॉर्म पर नए और विभिन्न प्रकार के उपयोक्ताओं के अत्यधिक आगमन को संभालने के लिए जूम टीम ने चौबीसों घंटे काम किया। हमारे सिस्टमों पर अचानक और बढ़ी हुई मांग उससे एकदम अलग थी जैसा अधिकांश कंपनियों में से किसी ने कभी अनुभव किया होगा। मार्च निकट आने के साथ हमने अनुभव किया कि प्रतिदिन लाखों की संख्या में मीटिंग में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को बिना किसी रूकावट का वीडियो संचार उपलब्ध कराना हमारा एकमात्र मिशन है, जिसमें सुरक्षा और निजता पर समान रूप से विशेष ध्यान देना होगा, जो कि ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और अधिक काम करने की आवश्यकता थी। एरिक के अनुसार 1 अप्रैल, 2020 को सुरक्षा और निजता के समाधान के लिए कई संशोधन करने का संकल्प लिया गया। उस दिन शुरू किए गए 90-दिवसीय कार्यक्रम ने हमारी कंपनी को 7 प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कराया, जिन्होंने सुरक्षा और निजता का जूम के डीएनए में स्थायी रूप से समावेश किया। एक अप्रैल से एक फीचर फ्रीज लागू किया गया और भरोसे, सुरक्षा और निजता के सबसे बड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सभी इंजीनियरिंग संसाधनों को स्थानांतरित किया गया। उन सभी विशेषताओं पर 90-दिन का फ्रीज लागू किया है जो निजता, संरक्षा या सुरक्षा से संबंधित नहीं हैं। इस दिशा में सभी इंजीनियरिंग और उत्पाद संसाधनों को लक्षित करने के साथ 100 से अधिक विशेषताएं पेश की गई है।

पाकिस्तान में सिख श्रद्धालुओं की मौत

कराची के पास बस-ट्रेन की टक्कर में 19 सिख श्रद्धालुओं की जान गई

बिना फाटक वाली रेलवे क्रॉसिंग की वजह से हादसा

संवाददाता

अमृतसर/लाहौर। पाकिस्तान में शुक्रवार दोपहर एक ट्रेन हादसे में 19 सिख श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सिख श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बस लाहौर से कराची जा रही शाह हुसैन एक्सप्रेस से टकरा गई। हादसा ननकाना साहिब के करीब सुच्चा सौधा रेलवे क्रॉसिंग पर हुआ। यहां कोई गेट नहीं है। 15 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। कुल 10 लोग घायल हैं। 8 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 35 राहतकर्मी मौके पर मौजूद हैं। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि एक्सीडेंट की वजह बिना गेट वाली रेलवे क्रॉसिंग है। यहां तेज रफ्तार शाह हुसैन एक्सप्रेस निकलने वाली थी। इसी दौरान बस के ड्राइवर ने भी रेलवे लाइन क्रॉस करने की कोशिश की। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, पाकिस्तान में सिख श्रद्धालुओं की मौत से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवारवालों और दोस्तों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना करता हूं।

इमरान ने शोक व्यक्त किया

घटना पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी शोक जताया। उन्होंने ट्वीट किया, शेखूपुरा के पास रेलवे क्रॉसिंग पर आज दोपहर दुर्घटना से गहरा दुख हुआ, नतीजतन कम से कम 20 लोग मारे गए। इनमें खासतौर पर सिख तीर्थयात्री थे, जो ननकाना साहिब से लौट रहे थे। निर्देश दिया है कि घायलों का उचित इलाज कराया जाए।

बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन नहीं रहीं

सरोज खान का दिल का दौरा पड़ने से निधन

उन्हें सुबह 7 बजे मलाड कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया

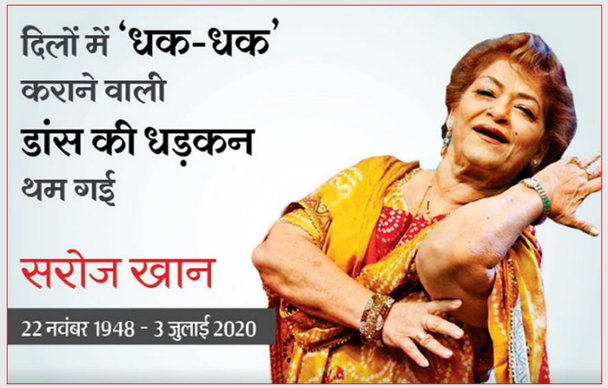

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड में डांसिंग क्वीन के नाम से मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान का 71 की उम्र में गुरुवार देर रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे कई दिन से सांस लेने में तकलीफ के कारण बांद्रा के हॉस्पिटल में भर्ती थीं। हालांकि, उनका कोरोना टेस्ट निगेटिव आया था। उनके पार्थिव शरीर को रात में ही परिजनों को सौंप दिया गया था। उनकी छोटी बेटी सुकन्या ने बताया कि लॉकडाउन नियमों को देखते हुए अम्मी को सुबह सात बजे मलाड स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। परिवार ने तय किया है उनकी याद में प्रार्थना सभा तीन दिन की जाएगी। सरोज के परिवार में उनके पति बी. सोहनलाल, बेटा हामिद खान, दो बेटियां हिना और सुकन्या हैं।

24 जून को अस्पताल में भर्ती हुई थीं

24 जून से ही सरोज की तबीयत खराब थी। उन्हें मुंबई के बांद्रा स्थित गुरु नानक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी। इसके बाद कोरोना टेस्ट कराया गया। ये निगेटिव रहा था। इसके बाद कहा जा रहा था कि उनकी तबियत सुधर रही है।

दो हजार गानों में दिखे सरोज के डांस स्टेप्स

40 साल के करियर में सरोज खान ने करीब दो हजार गाने कोरियोग्राफ किए। उन्होंने तीन बार नेशनल अवॉर्ड भी जीता। सरोज खान ने नच बलिए', 'उस्तादों के उस्ताद', 'नचले वे विद सरोज खान', 'बूगी-वूगी', 'झलक दिखला जा' जैसे कई रियलिटी शो में बतौर जज बनकर नई प्रतिभाओं को सामने लाने में अपनी योगदान दिया।

सरोज का असली नाम निर्मला था

किशनचंद संधु और नोनी सिंह के घर जन्मी सरोज का असली नाम निर्मला नागपाल था। उनका जन्म 22 नवंबर, 1948 को हुआ था। पार्टीशन के बाद सरोज का परिवार पाकिस्तान से भारत आ गया था। सरोज ने करियर की शुरूआत महज 3 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्म 'नजराना' से की थी।

सरोज खान ने बीते 40 साल में करीब 2 हजार गानों को कोरियोग्राफ किया, 3 बार नेशनल अवॉर्ड जीता

मलाड इलाके में कब्रिस्तान के बाहर जमा सरोज खान के परिजन एक दूसरे को हौसला देते हुए।

पहली फिल्म 'गीता मेरा नाम' थी

1974 में आई 'गीता मेरा नाम' पहली फिल्म थी, जिसमें सरोज खान ने कोरियोग्राफ किया था। इस फिल्म में साधना लीड रोल में थीं। उनका फिल्म 'मिस्टर इंडिया' में श्रीदेवी का हवा-हवाई (1987) और 1988 में आई 'तेजाब' में माधुरी पर फिल्माया एक दो तीन डांस नंबर बेहद हिट रहा। 1992 में आई फिल्म 'बेटा' का गीत धक-धक करने लगा और 2002 की 'देवदास' का माधुरी-ऐश्वर्या वाला डोला रे डोला उनके सबसे हिट डांस नंबर हैं।

साधना से लेकर करीना तक सबको सिखाया डांस

बॉलीवुड की तमाम बड़ी एक्ट्रेस उनके निर्देशन में थिरकती नजर आईं। सरोज खान ने साधना, वैजयंतीमाला, कुमकुम, हेलन, शर्मिला टैगोर, माला सिन्हा, वहीदा रहमान, जीनत अमन से लेकर रेखा, श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, करिश्मा, उर्मिला टैगोर, ऐश्वर्या राय, करीना कपूर और सनी लियोनी जैसी एक्ट्रेसेस को डांस सिखाया। माधुरी उनकी फेवरेट स्टार थीं। साउथ की कई एक्ट्रेस भी उन्होंने डांस स्टेप्स सिखाए।

आखिरी फिल्म माधुरी दीक्षित के साथ

सरोज खान ने आखिरी गाना अप्रैल 2019 में आई करण जौहर की मल्टी स्टारर फिल्म कलंक के लिए कोरियोग्राफ किया था। इसके बोल थे 'तबाह हो गए'। इस गाने में भी उनकी फेवरेट एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित नजर आई थीं।

कोरोना से बचने के लिए शेयर किया था वीडियो

मई में कोरियोग्राफर सरोज खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया थे। इसमें वे देशवासियों से कोरोनावॉरियर्स की रिस्पेक्ट करते अपील करते हुए नजर आ रही थीं। सरोज ने इस वीडियो में कहा था- आप क्यों नहीं समझते हैं। बच्चों से जिंदगी मत छीनो। कुछ तो रिस्पेक्ट दिखाओ। भगवान के वास्ते, अल्लाह के वास्ते अपनी देखभाल करो। घर पर रहो।

राकांपा के डिजिटल अभियान में 7.61 लाख कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे, पार्टी ने कहा- ऐसा करने वाली देश की पहली पार्टी

इसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से 'अभिप्राय अभियान' का नाम दिया गया था

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री जयंत पाटिल ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन 'अभिप्राय अभियान' में लगभग 7.61 लाख पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे। जिसके बाद राकांपा राज्य में अपने कार्यकर्ताओं से डिजिटल संपर्क साधने वाला सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन गया है। राकांपा का अभिप्राय अभियान इस साल पार्टी के स्थापना दिवस (10 जून) से पहले शुरू किया गया। जमीनी स्तर पर काम करने के दौरान कार्यकर्ताओं के सामने आ रही कठिनाइयों और चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर उनकी राय जानने के मकसद से अभियान की शुरूआत की गई। ऑनलाइन आवेदन पत्र के जरिये कार्यकर्ताओं ने अपने विचार पार्टी के सामने रखे। जयंत पाटिल की ओर से बताया गया कि राकांपा के 7,61,003 कार्यकर्ताओं ने अभियान में हिस्सा लिया और अपने विचार रखे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

निजी कोचिंग संघ ने कैंडल मार्च निकाला

समस्तीपुर। समस्तीपुर में निजी कोचिंग संघ के बैनर तहत कैंडल मार्च का आयोजन किया गया,जिसका नेतृत्व अध्यक्ष अमरजीत कुमार,सचिव ए. कुमार एवं मीडिया प्रभारी सौरभ चौधरी के संयुक्त रूप से किया। यह कार्यक्रम पूरे बिहार के प्रत्येक जिला व प्रखंड स्तर पर किया गया है। विदित हो कि कोरोना महामारी के कारण बिगत 4 महीना से सभी कोचिंग व स्कूल बंद है, जिसके कारण शिक्षको के सामने में आर्थिक संकट आ गयी है अतः सरकार से मांग है कि इस ओर जल्द से जल्द ध्यान दिया जाय। जैसा कि विदित हो कि सभी कोचिंग संस्थान भाड़े के मकान में चलती है अतः भाड़ा देना कठिन हो गया है सरकार कुछ निदान निकले। सभी शिक्षकों को तुरंत परिवार चलाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाय।छात्रों को भी रूम रेंट माफ करने के लिए कदम उठाया जाय। सभी लोग सोशल डिस्टेंसिग का भी ख्याल रक्खे है एवं अपने चेहरा पर मास्क का भी प्रयोग किया गया है। मार्च शांति प्रिय रहा ।मौका पर डॉ संतोष कुमार, रतन झा, नीरज भारद्वाज, एन. के. चौधरी, अभय झा,पप्पू यादव,पी.के.झा,राहुल सिंह राणा सुरेंद्र सिंह (माले नेता), बंदना सिंह (माले नेत्री), अनंत कुशवाहा जिला अध्यक्ष रालोसपा, राजद युवा अध्यक्ष अमरेश राय, जाप जिला अध्यक्ष मनीष यादव, प्रो मुकुंद ठाकुर, मनीष सिंह,विकास राही, अमरजीत कुमार, अमरनाथ कुमार,अम्बिका राज,बलराम यादव, मनोज झा, अशोक कुमार, सचिन कुमार,ए. एजाज, सुमित कुमार, राजीव कुमार, अनिल कुमार, चन्दन मिश्रा गणेश कुमार,चंदन झा, आर के सिंह, पप्पू यादव,आर.सी प्रसाद, नागेंद्र कुमार चौधरी, अक्षय कुमार सिंह, दीपू सिंह, नवीन कुमार, राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रभात रंजन इत्यादि मौजूद थे।

देशवासियों को नवंबर तक का राशन देने का फैसला गरीबों के हक में : लोजपा

समस्तीपुर। शुक्रवार को शहर के लोजपा कार्यालय में प्रदेश महासचिव सह संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष सह जिला प्रभारी कुमार सुमन सिंह उर्फ रंजीत सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर कहा की कोरोना महामारी के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने आगामी नवंबर माह तक सभी गरीब परिवारों को जो राशन देने की बात कही है, वह गरीबों के हक में है और उसके लिए लोक जनशक्ति पार्टी देश वासियों के तरफ से उनका आभार व्यक्त करती है। मौके पर जिला प्रभारी ने बताया की उनके पार्टी के अभिभावक एवं केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक

वितरण विभाग के मंत्री रामविलास पासवान के कुशल कार्यशैली का ही नतीजा है की इतने बड़े आपदा के समय भी देश में खाद्यान्न संकट की कहीं कोई खबर नहीं है और हर व्यक्ति के थाली तक रोटी पहुंचे, इसके लिए मंत्री महोदय काफी गंभीरता से अपने मंत्रालय की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान देश के अस्सी करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त में राशन मुहैया कराने पर पीएम का आभार व्यक्त किया है। मौके पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र कुमार कुशवाहा, मीडिया प्रभारी उमाशंकर मिश्रा, प्रखंड अध्यक्ष नीरज भारद्वाज, राजा पासवान, मधुबाला सिन्हा, रीना सहनी, बंटी जायसवाल, राम एकबाल पोद्दार,चन्देश्वर राय, विनय चौधरी,धीरज ठाकुर, विनोद सिंह, कृष्णा चौधरी, रीता पासवान आदि लोजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

आत्महत्या की बाढ़ से टूट रहे परिवार

संवाददाता

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर नगर के घासीगंज में एक किशोरी ने दुपट्टे से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृतका का नाम साबरीन (16) पुत्री इंतजार अहमद है। घटना के वक्त जब पुलिस पहुंची तो बताया जाता है कि दरवाजा अंदर से बंद था। बताते चलें कि बीते कई दिन से आत्महत्या की घटनाओं में बाढ़ सी आ गई है। हर रोज पोस्टमार्टम हाउस में खुद से जीवन लीला समाप्त करने वाले लोगों की लाशों का पोस्टमार्टम हो रहा है।

समस्तीपुर हलचल

शिक्षक बहाली में सरकार विफलः सुनीता

समस्तीपुर। बिहार में शिक्षक बहाली में बार-बार नियम बदलने के कारण शिक्षित बेरोजगार दर दर भटक रहे हैं शिक्षक बहाली के संदर्भ में रालोसपा नेत्री सुनीता शर्मा ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार होते हुए भी शिक्षित बेरोजगार आवेदन जमा करके भटक रहे हैं तथा सरकार बहाली की प्रक्रिया में बदलाव पर बदलाव कर रही है। इससे प्रतीत होता है कि शिक्षक बहाली में सरकार विफल साबित हो रही है सिर्फ बिहार सरकार अपनी चुनावी नैया पार करने के लिए शिक्षक बहाली के नाम पर शिक्षित बेरोजगार को ठग कर वोट लेना चाहती है। शायद बिहार सरकार की नीयत और नीति में खोंट नजर नहीं आ रही है। बिहार के तमाम शिक्षक अभ्यर्थी से कहना चाहती हूँ की सरकार बदलिए भविष्य बदलेगा।

युवा क्रांतिकारी पार्टी मिशन 2020, हमारा संकल्प युवा क्रांतिकारी पार्टी विकल्प

समस्तीपुर। युवा क्रांतिकारी पार्टी के प्रधान कार्यालय में कार्यकारणी की बैठक की गई। बिहार विधानसभा मिशन 2020 पर चर्चा की गई ।बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि पार्टी विधानसभा चुनाव सभी सीटों पर लड़ेगी ।साथ हीं प्रदेश अध्यक्ष बिहार गणेश कुमार चौधरी जी ने प्रदेश अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ बिहार के पद पर ज्ञानेश्वर सिंह जी को पदभार ग्रहण कराते हुए उनका सम्मान फूल मालों से किया गया ।मौके पर राष्ट्रीय महासचिव विशाल यादव बल्ली भाई जिला अध्यक्ष समस्तीपुर धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा व कल्याणपुर के पदाधिकारी संजीव कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता सामिल थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कुमार झा ने कहा वर्तमान सरकार के पास किसी सेक्टर में नियंत्रण नही है।

तैयारी पूरी, विकास योजनाओं में लूट-भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रखंड घेराव शनिवार कोः सुरेन्द्र सिंह

ताजपुर-समस्तीपुर। मनरेगा, जन वितरण प्रणाली, नल जल योजना, शौचालय प्रोत्साहन, आवास आदि योजनाओं में लूट-भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारी, जेई, कर्मचारी आदि पर कारबाई की मांग को लेकर शनिवार को भाकपा माले प्रखंड का घेराव करेगी इसकी सफलता को लेकर एक सप्ताह से चलाये जा रहे सघन जनसंपर्क अभियान के अंतिम दिन भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि शनिवार को प्रखंड पर आहूत प्रदर्शन की तैयारी पूरी कर ली गई है। बड़ी संख्या में माले कार्यकर्ता 11 बजे अस्पताल चौक से जुलूस निकालकर प्रखंड पर प्रदर्शन करेंगे। माले नेता सुरेन्द्र ने कहा कि जनसंपर्क अभियान के दौरान जनता की समस्याओं को चिंहित किया गया है। इसे प्रदर्शन के दौरान प्रतिनिधिमंडल अधिकारी के समक्ष रखेंगे। जल्द इसका समाधान नहीं किए जाने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। जनसंपर्क अभियान में ब्रसमदेव प्रसाद सिंह, राजदेव प्रसाद सिंह, संजय शर्मा, बासुदेव राय, आशिफ होदा, मो० एजाज, नौशाद तौहीदी, प्रभात रंजन गुप्ता समेत अन्य माले नेताओं ने भाग लिया।

रामपुर हलचल

लालपुर पुल के निर्माण कार्य को लेकर सभी दलो द्वारा अपनी राजनीति चमकाने के इरादे से किये गये धरना प्रदर्शन

टाण्डा (रामपुर)। लालपुर पुल के निर्माण कार्य को लेकर सभी दलो द्वारा अपनी राजनीति चमकाने के इरादे से किये गये धरना प्रदर्शन सरकार की आख मिचोनी के चलते नहीं हो सका कोई अमल नगर व क्षेत्रीय जनता का हुआ कारोबार चोपट जिला मुख्यालय जाने में धन एव समय दोनों की होती बबार्दी अन्य रास्तो से अपना सफर तेय करने पर होना पड़ता है राजी, फिल्हाल स्थिति है ज्यों की त्यों। लालपुर पुल की गम्भीर समस्या को देखते हुए नगरीय निवासी नदीम अख्तर काजीपुरा द्वारा एक पत्र प्रधान मंत्री राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति गृहमंत्री मुख्यमंत्री जिला अधिकारी रामपुर को प्रेषित कर कहा की लालपुर का पुल जो नवाब रामपुर के कर कमलो द्वारा बनवाया गया था काफी समय से पुल क्षतिग्रस्त होने के साथ साथ बड़े वाहनों के लिए बाधित था मात्र छोटे वाहनों का आवागमन था कांग्रेस पार्टी समाजवादी पार्टी बहुजन समाज पार्टी भारतीय जनता पार्टी की सरकारे रही पुल की समस्या को देखते हुए कोई भी सरकार पुल का निर्माण नहीं करा सकी सपा सरकार के चलते पूर्व मंत्री रहे मो0 आजम खा द्वारा अपने प्रयासों के चलते नवाबी पुल तुड़वाकर उसके स्थान पर नया पुल बनवाये जाने का कार्य शुरू करा दिया गया जिसके कुए पूर्ण रूप से तैयार हो गये अचानक सपा की सरकार चली गई प्रदेश में भाजप की सरकार तैनात हो गई आपसी गाति विधियो को देखते हुए भाजप शासन काल में आज तक पुल का लेन्टर तक नहीं पड़ सका है लालपुर पुल के निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने को लेकर सभी पार्टियों ने धरने प्रदर्शन आदि किये लेकिन सारी कोशिशे विफल रही जो आज तक पुल निर्माण न कराकर सरकार चुप्पी साधे बैठी है जो अधर में लटका हुआ है बरसात आदि के समय में नगर व क्षेत्रीय जनता को अपनी अनेकों प्रकार की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं कारोबार चोपट होकर रह गया हैं शिक्षा का स्थल गिरा है जिला मुख्यालय से समय से संपर्क न होकर सब कुछ पिछड़ गया है सियासत के दाँव पेंच के चलते नगर व क्षेत्र को रामपुर की पहचान होते हुए पीछे की और रखा गया है किसी प्रकार की कोइ सरकारी सुविधा जैसे फेक्ट्रियां आदि नहीं है सरकार का नारा है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के साथ देखा जाय तब नगर व क्षेत्र को अलग कर दिया गया है जबकि मुरादाबाद रामपुर मण्डल में सबसे अधिक राजस्व सरकार को अदा करता है लालपुर पुल मांगों को लेकर नजर अंदाज कर, रद्दी के टोकरों में डालकर फेंका जा रहा है लालपुर पुल का निर्माण कार्य किन कारणों के तहत रुका हुआ है इसका खुलासा अभी तक नही हो सका फिलहाल स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई हैं पत्र प्रेषित कर शीघ्र पुल का निर्माण कार्य चालू कराये जाने की मांग की गई है जिसके चलते नगर व क्षेत्रवासी राहत की सांस ले सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्यों झड़ते हैं आइब्रो के बाल? जानिए इसके उपाय

आइब्रोज बढ़ाने के घरेलू उपाय : चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में आइब्रो का बहुत खास महत्व होता है। मगर कुछ लड़कियों के आईब्रोज के बाल झड़ने लगते हैं। इससे पूरे चेहरे की ही लुक खराब हो जाती है। सुंदरता को बढ़ाने और आईब्रो को घना बनाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाने लगते हैं लेकिन किसी भी प्रॉब्लम का हल तभी निकलता है जब इसकी जड़ का पता चले। ऐसे में आज हम आपको आईब्रो के बाल झड़ने का कारण बताएंगे।

तो चलिए जानते हैं वह कौन से कारण है जिनकी वजह से बाल झड़ने लगते हैं।

1. तनाव
आइब्रो के बाल झड़ने का सबसे बड़ा कारण है तनाव। जी हां, जैसे ज्यादा टैंशन लेने से सिर के बाल झड़ने लगते हैं ठीक वैसे ही मानसिक और शारीरिक तनाव के कारण बाल झड़ने लगते हैं।

2. प्लकिंग
आइब्रो को शेप देने के लिए प्लकिंग सबसे बढ़िया तरीका है। मगर जरूरत से ज्यादा प्लकिंग का इस्तेमाल करने से आइब्रो के बाल झड़ने लगते हैं।

3. पोषण तत्वों की कमी
पोषण और विटामिन की कमी जैसे जिंक, आयरन, विटामिन डी, विटामिन बी12 की से भी आइब्रो के बाल झड़ते हैं।

4. खारिश के कारण
कई बार एचिंग यानी की खारिश की वजह से भी बाल झड़ने लगते हैं। सुंदर आइब्रो चाहिए तो खारिश होने पर हल्का-हल्का रब करें। जरूरत से ज्यादा खारिश करने पर नुकसान हो सकता है।

आइब्रो के बालों झड़ने से रोकने के घरेलू नुस्खे

1.ऑलिव ऑयल
ऑलिव ऑयल में विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है जो कि बालों को झड़ने से रोकता है। 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल लेकर हल्के हाथों से आइब्रो पर सर्कुलर मोशन में मसाज करें और 30 मिनट के लिए तेल को लगा रहने दें। फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

2. एलोवेरा जेल
एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले पौषक तत्व बालों को मजबूत करने का काम करते हैं। आइब्रो पर एलोवेरा जेल लगाकर मसाज करें और 30 मिनट के लिए के बाद पानी से इसे धो लें।

3. दूध
दूध भी बालों को मजबूत बनाता है। आइब्रो के बाले को झड़ने से रोकने के लिए कॉटन में थोड़ा सा कच्चा दूध लगाकर लगाएं। तकरीबन 20 मिनट के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें। लगातार यह तरीका अपनाने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

4. अंडे की जर्दी
अंडे में विटामिन डी और प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। अंडे को कॉटन की मदद से आइब्रो पर लगाएं। लगभग 20 मिनट के बाद ठंडे पानी से चेहरा साफ करें।

बारिश के मौसम में दही खाना चाहिए या नही ?

बारिश के मौसम में फूड प्वाइजनिंग होने का खतरा रहता है। यही वजह है कि अधिकतर लोग अपने खान-पान का बहुत ध्यान रखते हैं। वह अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि इस मौसम में दही खाना चाहिए की नहीं। अगर आप भी सोचते हैं कि इन दिनों में दही नही खाना चाहिए तो यह आपकी गलतफहमी है। मगर बारिश के मौसम में रात के समय में दही खाने से बचें। केवल दिन के समय ही दही का सेवन करें। डायरिया और फूड प्वॉइजनिंग के मरीजों के लिए दही का सेवन बेहतर है। इसके अलावा भी दही खाने से कई फायदे होते हैं।

1. पाचन शक्ति बढ़ाएं
रोजाना दही का सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है। इसके साथ ही दही पेट में होने वाले इंफैक्शन से भी बचाता है। जिन लोगों को भूख नहीं लगती उनको दहीं खाना चाहिए। दिन में सिर्फ 1 कटोरी दही खाने से पेट से संबंधित सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

2. मुंह के छालों में राहत
अक्सर गर्मियों के मौसम में मुंह में छाले हो जाते हैं। इन छालों से राहत पाने के लिए दही और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर खाने से फायदा होगा। आप चाहें तो दही की मलाई भी छालों पर लगा सकते हैं।

3. सेहतमंद दिल
दही में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत कम होती है। इससे ब्लड प्रेशर ठीक रहता है। स्वस्थ रहने के लिए रोजाना दही का सेवन करना शुरू करें। दही खाने से हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और गुर्दे की बीमारियां नहीं होती।

4. मोटापा करें कम
जल्दी से वजन कम करना चाहते हैं तो दही का सेवन करें। इसमें कैल्शियम पाया जाता है जो शरीर में फालतू चर्बी को नहीं बढ़ने देता। यही कारण है कि डॉक्टर भी मोटे लोगों को दही खाने के लिए कहते हैं।

5. दांतों और हड्डियों को मजबूती
दही का सेवन दांतों और हड्डियों के लिए भी अच्छा होता है। यूं तो शरीर के लिए सारे ही डेयरी प्रॉडक्ट्स अच्छे होते हैं लेकिन दही में कैल्शियम और फास्फोरस की उच्च मात्रा होती है जो दांतों और हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

औरतों को क्यों होती है थायराइड की समस्या और कैसे करें इलाज ?

थायराइड एक ऐसी समस्या है जोकि आजकल लोगों में आम देखने को मिलती है। मगर पुरूषों की तुलना में महिलाओं में थायराइड की समस्या ज्यादा देखने को मिल रही है। थायराइड ग्लैंड में हार्मोन का संतुलन बिगड़ जाने के कारण यह समस्या होती है। बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं में थायराइड का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में उन्हें इसके बारे में पूरी जानकारी होना बहुत जरूरी है।

साइलेंट किलर है थायराइड

वैसे तो यह प्रॉब्लम किसी को भी हो सकती है लेकिन महिलाओं में थायराइड की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। यह एक ऐसी साइलेंट कंडीशन है, जिसमें लक्षण धीरे-धीरे दिखाई देती हैं। थायराइड तितली के आकार का गले में मौजूद बॉडी का मेन एंडोक्राइन ग्लैंड है। इसमें थायरायड हार्मोन निकलता है जो मेटाबॉलिज्म रेट को कंट्रोल करता है। इसके कारण महिलाओं को बहुत से परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

थायराइड के कारण

महिलाओं को थायराइड की समस्या काबोर्हाइड्रेट्स का सेवन न करने, ज्यादा नमक या सी फूड खाने और हाशिमोटो रोग के कारण हो सकती है। इसके अलावा शरीर में आयोडीन और विटामिन बी12 के कमी कारण भी महिलाओं में थायराइड का खतरा बढ़ जाता है।

ये होते हैं थायराइड के लक्षण

अगर आपको कमजोरी, थकान लगना, डिप्रैशन, तनाव, नींद न आना, सिर दर्द या गर्दन में दर्द हो तो यह थायराइड का संकेत है। महिलाओं में अनियमित पीरियड्स भी इसी बीमारी का लक्षण है। इसके अलावा इस बीमारी में पेट की गड़बड़ी, जोड़ो मे दर्द रहना, वजन का बढ़ना या कम होना, मांसपेशियों का कमजोर होना, आंखो और चेहरे पर सूजन रहना जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं।

थायराइड के लिए घरेलू इलाज

1. हल्दी वाला दूध
रोजाना हल्दी वाला दूध पीने से भी थायराइड कंट्रोल में रहता है। अगर आप हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहती तो आप हल्की को भून कर भी खा सकती हैं। इससे भी थायराइड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

2. मुलेठी का सेवन
थायराइड के मरीज जल्दी थक जाते हैं। ऐसे में मुलेठी का सेवन आपके लिए बेहद फायदेमंद होगा। इसमें मौजूद तत्व थायराइड

ग्रंथी को संतुलित करके थकान को उर्जा में बदल देते हैं।

3. प्याज से मसाज
थायराइड को कंट्रोल करने के लिए सबसे अच्छा तरीका है प्याज। इसके लिए प्याज को दो हिस्सों में काटकर सोने से पहले थायराइड ग्लैंड के आस-पास क्लॉक वाइज मसाज करें। मसाज के बाद गर्दन को धोने की बजाए रातभर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। कुछ दिन लगातार ऐसे करने से आपको इसके नतीजे दिखने शुरू हो जाएंगें।

4. गेहूं और ज्वार
गेहूं और ज्वार आयुर्वेद में थायराइड की समस्या को दूर करने का बेहतर और सरल प्राकृतिक उपाय है। इसके अलावा यह साइनस, उच्च रक्तचाप और खून की कमी जैसी समस्याओं को रोकने में भी प्रभावी रूप से काम करता है।

5. हरा धनिया
थाइराइड का घरेलू इलाज करने के लिए हरा धनिया को पीसकर उसकी चटनी बना लें। इसे 1 गिलास पानी में घोलकर रोजाना पीने से थायराइड कंट्रोल में रहेगा। आप चाहे तो चटनी का सेवन खाने के साथ भी कर सकती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अक्षय की फिल्म बेल बॉटम में हीरोइन होंगी वाणी कपूर

अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम को उसकी लीड हीरोइन मिल गई है। मूवी में अक्षय कुमार के अपोजिट वाणी कपूर को साइन कर लिया गया है। वाणी ने इंस्टा पर ये खुशखबरी शेयर की है। वाणी कपूर ने अक्षय के साथ फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर बताया कि वे इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। उन्हें जल्द से जल्द बेल बॉटम की शूटिंग शुरू होने का इंतजार है। अक्षय कुमार और वाणी कपूर की केमिस्ट्री तस्वीरों में देखते ही बनती है। ये पहली बार होगा जब पर्दे पर अक्षय संग वाणी की जोड़ी देखने को मिलेगी। बेल बॉटम को रंजीत एम तिवारी डायरेक्ट करेंगे। लॉकडाउन के दौरान फिल्म की स्क्रिप्ट का काम पूरा हो चुका है। फिल्म की कहानी असीम अरोड़ा और परवेज शेख ने लिखी है। मूवी को 2 अप्रैल 2021 में रिलीज किया जाएगा। पहले इस प्रोजेक्ट में कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन का कास्ट किए जाने की अटकलें थीं। अक्षय और नुपुर म्यूजिक वीडियो फिलहाल में साथ नजर आए थे। ये गाना जबरदस्त हिट रहा था। कहा जा रहा था कि नुपुर अक्षय की बेल बॉटम से बॉलीवुड डेब्यू करेंगी। लेकिन अब इस प्रोजेक्ट के लिए वाणी कपूर को साइन कर लिया गया है। फिल्म से अक्षय कुमार के लुक पोस्टर सामने आ चुके हैं। इनमें अक्षय कुमार का रेट्रो अवतार देखने को मिला था। फिल्म स्पाई थ्रिलर होगी।

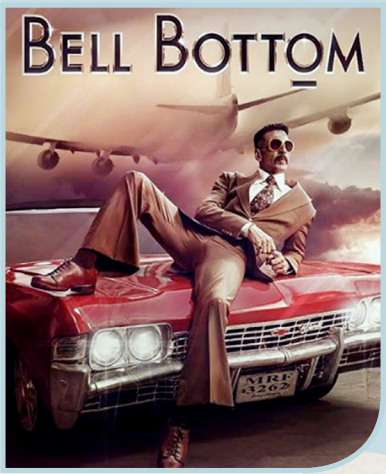

जब करीना को सरोज खान ने दी सलाह...

बॉलीवुड में कई दशकों तक कोरियोग्राफी की उस्ताद रहीं सरोज खान अब इस दुनिया में नहीं हैं। सरोज ने लंबे समय तक फिल्मी गानों में कोरियोग्राफी की। छोटे-बड़े कई स्टार्स के साथ काम किया। उस दौर में बॉलीवुड में करीब-करीब हर एक्ट्रेस के किसी ना किसी गाने की उन्होंने कोरियोग्राफी की। इस बीच, उन्हें करीना कपूर खान ने याद करते हुए अपनी यादें साझा की हैं। करीना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर उस वाक्या के बारे में बताया है जब सरोज खान ने उन्हें सबक दिया था। करीना लिखती हैं, 'मास्टर जी हमेशा मुझसे कहती थीं, पैर नहीं चला सकती तो फेस ही चला। उन्होंने मुझे यही सिखाया, डांस, मुस्कान और आंखों से मुसकुराने को कैसे एन्जॉय करते हैं। उनके जैसा दूसरा कोई नहीं हो सकता। जो उन्हें प्यार करता था उनके लिए डांस और एक्सप्रेशन फिर कभी पहले जैसे नहीं होंगे। आपसे प्यार है मास्टर जी, हम फिर डांस करेंगे। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे।'

प्रियंका ने अमेजन प्राइम संग साइन की करोड़ों डॉलर की डील

प्रियंका चोपड़ा जोनस इन दिनों कुछ बड़ा करने में लगी हुई हैं। प्रियंका के पास इस समय काफी बड़े प्रोजेक्ट्स हैं और इन सभी के बीच उन्होंने अमेजन प्राइम के साथ एक मल्टी मिलियन डॉलर्स की डील साइन कर ली है। इस डील को लेकर प्रियंका चोपड़ा खूब सुर्खियों बटोर रही हैं। देसी गर्ल से ग्लोबल स्टार बनी प्रियंका ने अमेजन प्राइम के साथ एक 2 साल की मल्टी मिलियन डॉलर फर्स्ट लुक टीवी डील को साइन किया है। इस डील के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा- एक एक्टर और प्रोड्यूसर होने के नाते मैंने हमेशा टैलेंट के लिए खुली सोच रखी है, जिसमें दुनियाभर से टैलेंट बढ़िया कंटेंट पा सके और इसमें भाषा या जियोग्राफी की बंदिश ना हो। उन्होंने आगे बताया कि यही उनके प्रोडक्शन हाउस पर्पल पेबल पिक्चर्स का मोटिव रहा है और इसी सोच के साथ उन्होंने अमेजन प्राइम के साथ हाथ मिलाया है। उन्होंने लिखा- एक कहानीकार के नाते मैं ऐसे नए आईडियाज ढूंढती और एक्स्प्लोर करती आई हूं जो ना सिर्फ जनता का मनोरंजन करें बल्कि लोगों को खुली सोच दें और उनका नजरिया भी बदलें। अपने 20 साल के पुराने करियर और 60 फिल्मों को याद करते हुए मैं आशा करती हूं कि मैंने इस चीज को हासिल करने के लिए सही रास्ता चुना है। प्रियंका ने सभी फैन्स और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा भी किया।